समय : ३ घंटे **कुल अंक : १००**

प्रश्न 1. कविता का अर्थ, परिभाषा बताकर उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

निबंध का अर्थ बताते हुए स्वातंत्र्योत्तर हिंदी निबंध साहित्य के विकास क्रम को विशद कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 20

क) "हम सब करिश्मों के प्यासे हैं
कोई भी करिश्मा कर दिखलाए
हम खुद क्यूं ले कोई भी निर्णय
हम खुद क्यूं भोगे कोई भी दंड?"

अथवा

"भागदौड़ की जिंदगी से
थोडा सा वक्त चुरा कर
बतियाया है कभी
कभी शिकायत ना करनेवाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुःख?"

ख) "बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है।"

अथवा

"झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मग्न रहता हैं।"

प्रश्न 3. 'थोड़े से बच्चे और बाकी बच्चे' कविता की संवेदनाएँ स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'यात्री' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'आंगन का पंछी' निबंध में व्यक्त भाव सौंदर्य का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

'रसायन और हमारा पर्यावरण' इस निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए। 20

क) बाजारे नुमाइश में ग़ज़ल का भाव सौंदर्य
ख) 'नया कवि' कविता की मूल संवेदना
ग) 'मनुष्य और ठग' का यथार्थ भाव
घ) हिम्मत और जिंदगी का उद्देश्य

****

7388F07DF7397CAD9B07833C8F1494E6